No. of Printed Pages : **3**

एम.एच.डी.-1

01989

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

*नोट : **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। पहला प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **10x2=20**

(क) मन ना रँगाये रँगाये जोगी कपरा।

आसन मारि मंदिर में बैठे

ब्रह्म-छाँड़ि पूजन लागे पथरा।।

कनवा फड़ाय जटवा बढ़ौले

दाढ़ी बढ़ाय जोगी होई गैले बकरा।

जंगल जाय जोगी धुनिया रमौले

काम जराय जोगी होय गैले हिजरा।।

मथवा मुँड़ाय जोगी कपड़ा रंगीले,

गीता बाँच के होय गैले लबरा।

कहहिं कबीर सुनो भाई साधो,

जम दरवाजा बाँधल जैबे पकड़ा।।

(ख) बिन गोपाल बैरिन भई कुंजैं।

तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजै।
बृथा बहति जमुना खग बोलत, बृथा कमल फूलैं अलि गुंजै
पवन पानि घनसागर संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजै।।
ए ऊधो कहियो माधव सों बिरह कदन करि मारत लुंजैं।
सूरदास प्रभु को मग जोवत अंखियाँ भई बरन ज्यों गुंजै।।

(ग) का सिंगार ओहि बरनौं, राजा। ओहिक सिंगार ओहि पै छाजा।।
प्रथम सीस कस्तूरी केसा। बलि बासुकि का और नरेसा।।
भौंर केस वह मालति रानी। बिसहर लुरे लेहिं अरघानी।।
बेनी छोरि झार जौं बारा। सरग पतार होइ अंधियारा।।
कोंवर कुटिल केस नग कारे। लहरन्हि भरे भुअंग बेसारे।।
बेधे जनौं मलयगिरि बासा। सोस चढ़े लोटहिं चहुं पासा।।
घुंधरवार अलकैं विषभरी। सँकरे पेम चहैं गिउ परी।।

अस फंदवार केस वै, परा सीस गिउ फांद।
अस्टी कुरी नाग सब, अरूझ केस के बांद।

(घ) नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहिं सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अपमाने।।
बहु धनुहीं तोरीं लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
एहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।

2. आदिकालीन हिंदी कविता की प्रतिनिधि रचना के रूप में 'पृथ्वीराज रासो' का मूल्यांकन कीजिए। 10

3. कबीर के काव्य में प्रतिपादित विचारों पर प्रकाश डालिए। 10

4. सूर काव्य में वर्णित वात्सल्य और शृंगार भावना की विशेषताएँ बताइए। 10

5. मीरा के काव्य में उनके जीवनानुभवों की सच्चाई किस प्रकार व्यक्त हुई है? चर्चा कीजिए। 10

6. तुलसीदास की काव्य कला का विश्लेषण कीजिए। 10

7. रीतिकालीन कविता के आलोक में धनानंद के काव्य में वर्णित प्रेम की विशेषताएँ बताइए। 10